कृषि कुंभ
हिंदी मासिक पत्रिका

खण्ड 03 भाग 07, (दिसंबर, 2023)
पृष्ठ संख्या 50–51

तम्बाकू की खेती कर के उत्पादन के साथ अच्छी कमाई

डॉ. मो. असद, पतिराम एवं मानसी सिंह,
[1]सहायक प्रोफेसर (कृषि विभाग) [2]शोध विद्वान,
श्री खुशाल दास विश्वविध्यालय, हनुमानगढ़, राजस्थान
[3]एम.एससी. (कृषि विभाग) के.एन.आई.पी.एस.एस., सुल्तानपुर, उत्तरप्रदेश, भारत।
Email Id: moasad452@gmail.com

तम्बाकू की खेती किसानों के लिए कम समय व कम लागत में ज्यादा मुनाफा देने वाली नगदी फसल होती है। यह सोलेनेसी परिवार से सम्बन्ध रखता है। इसका वैज्ञानिक नाम ***निकोटियाना टैबैकम*** और साधारण नाम खैनी, सुरती, मीठा जहर है। तम्बाकू की खेती किसानों के लिए कम समय व कम लागत में ज्यादा मुनाफा देने वाली फसल होती है। इसकी खेती विश्व के कई देशों में व्यावसायिक रूप से की जाती है जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं भारत, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राजील, जिम्बाब्वे आदि। भारत में तम्बाकू की खेती मुख्य रूप से आंध्रा प्रदेश, हैदराबाद, गुजरात, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, राजस्थान तथा पंजाब आदि राज्यों में की जाती है।

तम्बाकू का इस्तेमाल धुआँ और धुआँ रहित नशे की चीजों में किया जाता है। जैसे– सिगरेट, बीड़ी, हुक्का, गुल, पान मसाला, जर्दा, खैनी, गुटखा आदि। इसके आलावा कृषि में तम्बाकू का इस्तेमाल जैविक कीटनाशक बनाने में किया जाता है। इसके साथ ही इसकी खली का पशुओं को खिलाने या खेतों के लिए खाद के रूप में भी उपयोग हो सकता है। औषधियों में इसका इस्तेमाल कई तरह की दवाइयां बनाने में भी किया जाता है। इसमें निकोटिन की मात्रा होने से इसका इस्तेमाल एंटी बैक्टीरियल और एंटी फंगल दवाएं बनाने में भी किया जा सकता है। इसके साथ ही उद्योग में तम्बाकू के बीज से निकलने वाले तेल का उपयोग वार्निश और रंग के उद्योग में भी किया जाता है।हमारे देश में कई प्रकार के तम्बाकू की खेती की जाती है जिनको मुख्या रूप से निम्नलिखित श्रेणी में बनता गया है।

तंबाकू के प्रकार प्राप्ति स्थल

क्र- स.	तंबाकू के प्रकार	प्राप्ति स्थल
1	ऍफ़ सी वी तंबाकू	आंध्र प्रदेश और कर्नाटक
2	बीड़ी तंबाकू	गुजरात, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश
3	सिगार & चेरूट	तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल
4	हुक्का तंबाकू	असम , पश्चिम बंगाल , बिहार और उत्तर प्रदेश
5	चबाने और सूंघने हेतु	तमिलनाडु, तमिलनाडु, बिहार , असम और तमिलनाडु
6	नातू , बर्ले , लंका और वडीबीजीआर	आंध्र प्रदेश
7	पक्का तंबाकू	उड़ीसा

तम्बाकू की खेती

तम्बाकू की खेती कम खर्च और अधिक बचत वाली खेती है, ये फसल आसानी से उगाई जा सकती है, तथा इसे आसानी से बेचा भी जा सकता है। इसकी खेती के लिए उष्णकटिबंधीय जलवायु उपयुक्त होता हैं। लेकिन भारत में इसकी खेती लगभग सभी क्षेत्रों की जलवायु में सफलतापूर्वक किया जा सकता है। आम तौर पर तम्बाकू को परिपक्व होने के लिए 26°C के औसत तापमान और प्रति माह 88 से 125 मिमी की वर्षा की आवश्यकता होती है। इसकी खेती के लिए हल्की भुरभुरी तथा लाल दोमट

मिट्टी वाली भूमि चुनें जो जलभराव की समस्या से मुक्त हो। जल भराव की स्थिति में पोंधे खराब हो जाते हैं जिससे पैदावार प्रभावित होती है। यह भी ध्यान रखना अति आवश्यक कि तम्बाकू की खेती में भूमि का पीएच मान 6 से 8 के मध्य होना चाहिए।

तम्बाकू की खेती कौन से मौसम में की जाती है?

तम्बाकू की खेती किसान दो मौसम के करते है एक खरीफ मौसम में और रबी मौसम इस प्रकार दोनों मौसम में किसान तम्बाकू की खेती कर के अच्छा उत्पादन प्राप्त करते है और इन से अधिक मुनाफा भी करते है। किसान एक हैक्टर जमीन में से 3000 किलोग्राम तक का उत्पादन प्राप्त करते है।

तम्बाकू की अधिक उत्पादन देने वाली उन्नत किस्में

आम तो तम्बाकू की कई सारि किस्मे है जो अधिक उत्पादन देती है अपर इन की किस्में को दो प्रजातियों में बाटा गया है।

1. सिगरेट, सिगार, और हुक्का तम्बाकू तैयार करने के लिए इन के निकोटिन की मात्रा पर तैयार की है। तम्बाकू की यह किस्में की बुवाई अधिक किसान करते है इन के पतों लंबे और चौड़े होते है इन पौधे पर लगाने वाले फूल गुलाबी रंग के होते है। इस किस्में की तम्बाकू को ज्यादातर सिगरेट, सिगार, बीड़ी, हुक्का इस में किया जाता है। इन की किस्में का नाम कुछ इस प्रकार के है।

1. पटियाली,
2. एमपी 220
3. सीटीआरआई
4. कलकतिया
5. टाइप 23
6. हरिसन स्पेशल
7. धनादयी
8. टाइप 49
9. एनपीएस 219
10. टाइप 238
11. पटुवा

तम्बाकू की यह उन्नत किस्मे के पौधे छोटे कद के होते है। इन पौधे की पत्तिया सुखी और वजन में अधिक होती है। और इन की सुगंध भी ज्यादा आती है। पौधे की पत्तिया सुख जाने पर काले रंग की दिखाई देती है। तम्बाकू की यह किस्में की खेती ठंडी के मौसम में की जाती है। इस तम्बाकू का उपयोग ज्यादा तर गुटखा, पान मसाला, सुधने के लिए किया जाता है।

तम्बाकू की इस किस्में के नाम कुछ इस प्रकार के है।

1. पीटी 76
2. पीएन 70
3. प्रभात
4. हरी बंडी
5. कोइनी
6. ह्यइट वर्ले
7. रंगपुर
8. सुमित्रा
9. गंडक बहार
10. सोना

तम्बाकू का उत्पादन और कमाई

गुजरात राज्य में पहले तम्बाकू की खेती खेड़ा जिले में और आनंद जिले के कुछ विस्तार में किसान करते थे पर आज के समय में उत्तर प्रदेश के किसान बड़े पैमाने में तम्बाकू की खेती करते है और अच्छी कमाई भी करते है।

तम्बाकू की खेती का सब से बड़ा लाभ ये है की इन की फसल में लागत कम होती है और मुनाफा अधिक होता है। इन की खेती में पौधे तैयार होकर थोड़े बड़े होते है तब से इन की बिकी शुरू हो जाती है। और इन की खेती पौधे रोपाई के बाद तीन से चार महीने में तैयार हो जाते है। तम्बाकू की खेती एक एकड़ में किसान करता है तो डेढ़ से दो लाख रुपिए की आसानी से कमाई कर शकता है। यह तम्बाकू की खेती कम समय में ज्यादा उत्पादन और कमाई वाली खेती है।